NEWS CLIPPING: 12.09.2017

DAINIK BHASKAR

हिंदी को गर्व और गौरव के साथ अपनाएं : दिनेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

हिंदी दिवस पर हिंदी की प्रासंगिकता पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और यह हमारा कर्तव्य है कि इसे सम्मान दें। उन्होंने माना कि टेक्नालॉजी से जुड़ने के लिए अंग्रेजी भाषा जरूरी है। लेकिन राष्ट्रभाषा हिंदी में जो भावनात्मक जुड़ाव है। वह अंग्रेजी में नहीं है। इसलिए हमें हिंदी को गर्व और गौरव के साथ अपनाना चाहिए। वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को राष्ट्रभाषा हिंदी को लेकर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इसमें हिंदी साहित्य से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया और हिंदी दिवस के महत्व तथा वर्तमान में हिंदी की प्रासंगिकता पर परिचर्चा की। हिंदी देवनागरी लिपि को भारत की कार्यकारी और राष्ट्रभाषा का आधिकारिक दर्जा 14 सितंबर 1949 को दिया गया था। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रभाषा हिन्दी को लेकर एक परिचर्चा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना से हुआ। देश में हिंदी ही ऐसी भाषा है। जिसमें कई भाषाओं का समावेश है जो हमें एकता के सूत्र में बांधती है। मुख्य अतिथि हरियाणा ग्रंथ अकादमी के सदस्य वेदप्रकाश शर्मा ने भारतीय भाषा का अन्य भाषाओं में प्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उमाकांत खुबालकर ने राजभाषा, संपर्क भाषा तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी भाषा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी शब्दावली के विकास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा भारतीय संसद में होने वाली चर्चाओं के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा मुख्यतः हिंदी है और दिन-प्रतिदिन हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि कवयित्री डॉ. सुषमा ने कारपोरेट मजदूर शीर्षक से अपनी कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अध्यक्ष मनमोहन ने वैज्ञानिक भाषा के रूप में हिंदी के उपयोग पर चर्चा कर अन्य भाषाओं के साथ हिंदी का तुलनात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अंत में कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ललित राव तथा डॉ. सोनिया बंसल ने किया। इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नरेश चौहान भी मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 12.09.2017

PUNJAB KESARI

राष्ट्रभाषा को गर्व व गौरव के साथ अपनाएं: दिनेश

- **हिन्दी दिवस पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय में परिचर्चा का किया गया आयोजन**

- **हिन्दी दिवस पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय में परिचर्चा का किया गया आयोजन**

फरीदाबाद, 14 सितम्बर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा वीरवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रभाषा हिन्दी को लेकर एक परिचर्चा की गई। इसमें हिन्दी साहित्य से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया और हिन्दी दिवस के महत्व तथा वर्तमान में हिन्दी की प्रासंगिकता को लेकर परिचर्चा की।

उल्लेखनीय है कि हिन्दी देवनागरी लिपि को में भारत की कार्यकारी और राष्ट्रभाषा का अधिकारिक दर्जा 14 सितम्बर 1949 को दिया गया था और इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी की प्रासंगिकता पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है और यह हमारा कर्तव्य है कि इसे सम्मान दें।उन्होंने माना कि टेक्नॉलोजी से जुड़ने के लिए अंग्रेजी भाषा जरूरी है, लेकिन राष्ट्रभाषा हिन्दी में जो भावनात्मक जुड़ाव है वह अंग्रेजी में नहीं है। इसलिए हमें हिन्दी को गर्व और गौरव के साथ अपनाना चाहिए। देश में हिन्दी एक ही ऐसी भाषा है, जिसमें कई भाषाओं का समावेश है जो हमें एकता के सूत्र में बांधती है। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के सदस्य वेदप्रकाश शर्मा ने 'भारतीय भाषा का अन्य भाषाओं में प्रयोग' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उमाकांत खुबालकर ने अपने संबोधन में राजभाषा, संपर्क भाषा तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी भाषा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी शब्दावली के विकास का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संसद में होने वाली चर्चाओं के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा मुख्यत: हिन्दी है और दिन-प्रतिदिन हिन्दी की स्वीकार्यता बढ़ रही है। विशिष्ट अतिथि कवियित्री डा. सुषमा ने 'कॉरपोरेट मजदूर' शीर्षक से अपनी कविता प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अध्यक्ष मनमोहन ने वैज्ञानिक भाषा के रूप में हिन्दी के उपयोग पर चर्चा की तथा अन्य भाषाओं के साथ हिन्दी का तुलनात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वाईएमसीए में सेमीनार को संबोधित करते प्रो. दिनेश कुमार।(रजत)

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 15 September 2017

epaper.punjabkesari.in//c/22146677

NEWS CLIPPING: 12.09.2017

JAGRAN

वाईएमसीए विवि ने जीती अंतर कॉलेज योग प्रतियोगिता

अंतर कॉलेज योग प्रतियोगिता की विजेता वाईएमसीए विश्वविद्यालय की टीम

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर कॉलेज योग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम विजेता रही। इसमें दूसरा स्थान एश्लॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा तीसरा स्थान रावल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट का रहा।

प्रतियोगिता का आयोजन खेल अधिकारी डॉ राजेश कुमार देखरेख में किया गया। लड़कियों की छह सदस्यीय विजेता टीम के सदस्यों में शिप्रा, कनक, अंशिका, शुभांगनी, रूपक तथा सुधा रहे जबकि लड़कों की विजेता टीम के सदस्यों में सूरज, गौरव, नीरज, वरूण, अमित तथा चरण सिंह रहे। विजेताओं को निदेशक, विद्यार्थी कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी तथा अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण डॉ. नरेश चौहान ने सम्मानित किया।

NEWS CLIPPING: 12.09.2017

AMARUJALA

वाईएमसीए विवि ने जीती अंतर कॉलेज योग प्रतियोगिता

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लड़कों एवं लड़कियों की अंतर कॉलेज योग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम विजयी रही। प्रतियोगिता में दूसरा स्थान एश्लॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फरीदाबाद और तीसरा स्थान रावल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट को मिला। प्रतियोगिता का आयोजन खेल अधिकारी डॉ राजेश कुमार देखरेख में किया गया। लड़कियों की छह सदस्यीय विजेता टीम के सदस्यों में शिप्रा, कनक, अंशिका, शुभांगनी, रूपक, सुधा रहे। लड़कों की विजेता टीम के सदस्यों में सूरज, गौरव, नीरज, वरुण, अमित और चरण सिंह रहे। विजेताओं को विद्यार्थी कल्याण के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी, विद्यार्थी कल्याण के अधिष्ठाता डॉ.नरेश चौहान ने सम्मानित किया। ब्यूरो